विज्ञान-तकनीक प्रवाह

(त्रैमासिक समाचार पत्रिका)

अंक 2, पृष्ठ 16 अगस्त-अक्तूबर, 2022

www.himtu.ac.in

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

गांव व डाकघर दड़ूही, जिला हमीरपुर-177001

चतुर्थ दीक्षांत समारोह

4th दीक्षांत समारोह
Convocation

4th दीक्षांत समारोह
Convocation

4th दीक्षांत समारोह

वर्तमान युवा पीढ़ी की सोच पर निर्भर है देश का भविष्यः श्री आर्लेकर

दीक्षांत समारोह में 55 को पदक सहित 310 मेधावी सम्मानित

आज के दौर की युवा पीढ़ी जैसे सोचती है, वही हमारे देश का भविष्य होगा। इसलिए इस दिशा में वर्तमान युवाओं को मंथन करने की जरूरत है कि वह क्या सोचते हैं। जिससे देश को एक अच्छा इंसान मिल सके और समाज में उसकी अलग पहचान हो। डिग्री तो कोई भी ले सकता है, लेकिन हर कोई बेहतर इंसान नहीं बन सकता है। यह बात हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने तकनीकी विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में मेधावियों को संबोधित करते हुए कही। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर का चौथा दीक्षांत समारोह एनआईटी के सभागार में राज्यपाल एवं कुलाधिपति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो लक्ष्मीधर बेहरा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने 55 को पदक सहित 310 मेधावियों को डिग्री देकर सम्मानित किया। जिसमें 32 को स्वर्ण और 23 मेधावियों को रजत पदक वितरित किए गए। इससे पूर्व तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर की अगुवाई में दीक्षांत समारोह की शैक्षणिक शोभायात्रा निकाली गई। उसके बाद राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर दीक्षांत समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने समारोह के सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कुलपति ने दीक्षांत समारोह में तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। समारोह में हमीरपुर सदर के विधायक नरेंद्र ठाकुर, उपायुक्त हमीरपुर देवश्वेता बनिक, पुलिस अधीक्षक डॉ आकृति शर्मा, एनआईटी के निदेशक प्रो हिरालाल मुरलीधर सुर्यवंशी, प्रो वीर सिंह रांगड़ा, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता अभियांत्रिकी प्रो जयदेव, वित अधिकारी विजय सोफरा सहित शासक मंडल, शैक्षणिक परिषद के सदस्यों सहित अन्य शिक्षण संस्थानों के अधिकारी व गणमान्य उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक लेने वाले मेधावी

दीक्षांत समारोह में स्नातक व स्नातकोत्तर विषयों के 32 मेधावियों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। जिसमें एमटेक की नितिका, याशिका, एकता, शारिक, रिताली, एम फार्मेसी की शिवानी, तेजस्वी, एमबीए के मोहित, एमबीए पर्यटन की दीपाक्षी, एमएससी पर्यावरण विज्ञान की दीक्षा, भौतिक विज्ञान की कोमल, योग की मंजू व पूजा, एमसीए की इंदू कुमारी, अभिलाषा शामिल है। वहीं, बीटेक में आकांक्षा, शिवानी, नितिका, समक्ष, मानिक सूद, श्वेता सिंह, बी फार्मेसी में सिमरन, जगरूप, शिल्पा, बीएचएमसीटी में समीर, बीटेक में रितिका प्रसाद, हर्षिता, दिशा कुमारी, स्मृति, गगन वर्मा, आकृति गुप्ता, बी फार्मेसी में शिवानी को स्वर्ण पदक ने नवाजा।

रजत पदक लेने वाले मेधावी

दीक्षांत समारोह में स्नातक व स्नातकोत्तर विषयों के 23 मेधावियों को रजत पदक व डिग्री के सम्मानित किया गया। जिसमें एमटेक की साक्षी, अवतार सिंह, लता देवी, एम फार्मेसी की अंकिता शर्मा, नेहा शर्मा, एमबीए की कंगना, एमबीए पर्यटन की सोनिया, एमएससी पर्यावरण विज्ञान की शिल्पा कौंडल, भौतिक विज्ञान के हितेश, योग की प्रियंका शर्मा, बी फार्मेसी के मनोज, बीटेक के अभिषेक शर्मा, संगम, ईशा चौधरी, प्रीति, बी फार्मेसी आयुर्वेद में सुमन यादव, नरेश कुमार, बीटेक में रिया, प्रियंका राणा, रितिका चौहान, निकिता, ज्योति, प्रिया शामिल है।

आधुनिक विज्ञान व प्राचीन तौर–तरीकों में समन्वय जरूरीः प्रो लक्ष्मीधर

दीक्षांत समारोह के मुख्यातिथि एवं आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा कि आधुनिक विज्ञान और भारत की प्राचीन परंपरागत तकनीकों के बीच समन्वय स्थापित करना पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है। इसके लिए युवाओं की सबसे अहम भूमिका हो सकती है। पर्यावरण सरंक्षण को भी स्वरोजगार के साथ जोड़ा जा सकता है। जिससे प्रकृति व पर्यावरण का संरक्षण हो सकें। प्रकृति के साथ अगर मानव का संतुलन होगा, उसमें ही समस्त मानव जाति का कल्याण निहित है।

कुलपति महोदय का प्रेस से संवाद

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने दो अगस्त को प्रेस से संवाद किया। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का क्रियान्वयन करना तकनीकी विवि की प्राथमिकता है। इसके लिए तकनीकी विवि व संबंधित शिक्षण संस्थानों के साथ प्रारूप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चरणवद्ध तरीके से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तकनीकी विवि और संबंधित शिक्षण संस्थानों में लागू करने की योजना है, जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिल सकें। तकनीकी विवि परिसर में जल्द ही स्थाई प्राध्यापकों सहित अन्य गैर शिक्षक वर्ग के पदों नियुक्ति की जाएगा। प्रदेश सरकार से प्राध्यापकों के 32 और गैर–शिक्षक वर्ग के 19 पदों को भरने की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा बीटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग), बीसीए और एमएससी (गणित और कम्प्यूटेशनल विज्ञान) को शुरू करने को मंजूरी मिली है। शिक्षकों की नियुक्ति के बाद इन तीनों कोर्सों की कक्षाएं भी तकनीकी विवि परिसर में शुरू की जाएगी। इस दौरान अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास डॉ जयदेव भी उपस्थित रहे।

नए कोर्सों को शुरू करेगा तकनीकी विवि

कुलपति ने कहा कि तकनीकी विवि आने वाले समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नए कोर्सों को शुरू करने की योजना बनाई। चार साल के नए कोर्स में विज्ञान स्नातक (बीएस) में कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, स्वास्थ्य, कृषि, प्रबंधन विज्ञान व विश्लेषण और विश्लेषण और सतत अध्ययन के तहत स्वास्थ्य डाटा और सत्त विकास शामिल है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम में निभाएंगे भूमिका

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम में तकनीकी विवि और संबंधित शिक्षण संस्थान भी अपनी भूमिका निभाएंगे। 11 से 15 अगस्त तक प्रभातफेरी निकाली जाएगी। प्रभातफेरी में विद्यार्थियों के साथ स्थानीय युवक मंडलों, एनएसएस स्वयंसेवियों, एनसीसी कैडेस सहित अन्य युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। नुक्कड़ सभा, बलिदानियों के घर तिरंगा लहराने, पोस्टर, रंगोली बनाने के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। एक विद्यार्थी अपने घर के आसपास के कम से कम पांच घरों में तिरंगा फहराने में योगदान देगा। 13–15 अगस्त, 2022 के दौरान सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं। तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे https://harghartirang.com पर पोस्ट करेंगे।

पढ़ाई के बाद रोजगार सृजन करने में सक्षम हों विद्यार्थीः प्रो धूमल

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय का 13वां स्थापना दिवस

वर्तमान दौर में तकनीकी शिक्षा का विशेष महत्त्व है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार भी कौशल विकास पर बल दे रही है, ताकि विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार का सृजन करने वाला बना सकें। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री प्रो प्रेम कुमार धूमल ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के 13वें स्थापना दिवस समारोह में कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने तकनीकी विवि के स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि हमीरपुर के विधायक नरेंद्र ठाकुर वशिष्ठ अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने की। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि किसी भी संस्थान को बनाने में शुरूआत में संघर्ष करना पड़ता है। पिछले 12 वर्ष तकनीकी विवि के संघर्ष और सफलता के रहे हैं, जिसके लिए तकनीकी विवि के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई है, जो इस विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी विवि की स्थापना वर्ष 2010 में की गई थी, उस दौरान हिमाचल के बच्चों को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाहर जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लोगों के सामने रखा है, जिसके परिणाम आने वाले समय में देश और समाज को देखने को मिलेंगे। कौशल विकास की दिशा में लगातार बेहत्तर प्रयास हो रहे हैं, जिससे युवा वर्ग खुद के साथ दूसरे को भी रोजगार देने में समक्ष हो सकें, अब तकनीकी विवि को इस दिशा में प्रयास करने चाहिए।इससे पूर्व मुख्यातिथि का कुलपति की अगुवाई में तकनीकी विवि परिसर में स्वागत किया। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री प्रो प्रेम कुमार धूमल और विधायक नरेंद्र ठाकुर ने पौधे रोपित किए। स्थापना दिवस समारोह में तकनीकी विवि की त्रैमासिक समाचार पत्रिका "विज्ञान–तकनीक प्रवाह" का भी विमोचन किया गया। योग विभाग की छात्राओं ने योग प्रस्तुति दी। इस मौके पर तकनीकी विवि कुलसचिव अनुपम कुमार ठाकुर, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, वित्त अधिकारी विजय सोफरा, दड़ूही पंचायत की प्रधान उषा बिरला सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। वहीं, हमीरपुर के विधायक नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि तकनीकी विवि दड़ूही में बड़े संघर्ष के बाद स्थापित हुआ था। शुरूआत में तकनीकी विवि को यहां से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए प्रयास हुए थे, लेकिन स्थानीय पंचायत और तकनीकी विवि के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयत्नों से आज से विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विवि के भवन और यहां मूलभूत सुविधा विद्यार्थियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

समाज के उत्थान के लिए तैयार करेंगे विद्यार्थीः कुलपति

कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने कहा कि पहली बार तकनीकी विवि के स्थापना दिवस पर समारोह सार्वजनिक रूप से मना रहा है। कुलपति ने मुख्यातिथि, वशिष्ठ अतिथि सहित समारोह में आए सभी गणमान्य लोगों को स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तकनीकी विवि में समाज और उद्योग की जरूरत के अनुसार विद्यार्थियों को तैयार किया जाएगा, जिससे तकनीकी विवि से पढ़कर विद्यार्थी समाज के उत्थान व सेवा में योगदान दे सकें। 13वें साल में प्रवेश करते हुए तकनीकी विवि एक संकल्प लेकर काम करेगा, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन सबसे अहम होगा।

तकनीकी विवि: बीटेक में प्रवेश के लिए काउंसलिंग

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में मंगलवार से सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की पहले चरण में खाली रही सीटों को भरने के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हुई। पहले दिन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उप–आरक्षित (रक्षा, स्वतंत्रता सेनानी, शारीरिक रूप से विकलांग, आईआरडीपी, खेल और पिछड़ा क्षेत्र) सहित एससी, एसटी और ओबीसी (मुख्य) वर्ग के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हुई। काउंसलिंग में विद्यार्थियों को सामान्य प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर सीटें आवंटित की गई। जिन विद्यार्थियों को काउंसलिंग में सीट आवंटित हुई है, उन्हें संबंधित शिक्षण संस्थान में 27 अगस्त सायं पांच बजे तक रिपोर्ट करनी होगी, जो विद्यार्थी इस समय अवधि में आवंटित शिक्षण संस्थान में रिपोर्ट नहीं करेगा, उसकी सीट रद्द मानी जाएगी। तकनीकी विवि के अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव ने कहा कि बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर भरे जाने वाली सीटों के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। 24 अगस्त को सामान्य वर्ग की उप–आरक्षित श्रेणी वर्ग के विद्यार्थियों की काउंसलिंग होगी।

बीटेक की 594 सीटों के लिए 25 अगस्त को होगी काउंसलिंग

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर सामान्य प्रवेश परीक्षा (एचपीसीईटी) के आधार पर सरकारी व गैर–सरकारी शिक्षण संस्थान की बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की 594 सीटों को भरने के लिए 25 अगस्त को काउंसलिंग प्रक्रिया आयोजित करेगा। दूसरे चरण में आरक्षित श्रेणी की सभी खाली सीटों को भी काउंसलिंग के माध्यम से भरा जाएगा। सामान्य प्रवेश परीक्षा देने वाले पात्र अभ्यर्थी इस काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। उधर, तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया ने कहा कि बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर भरे जाने वाली सीटों के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया चली है। दूसरे चरण की काउंसलिंग में भी कई आरक्षित श्रेणियों में सीटें खाली रह गई है, जो अब अनारक्षित श्रेणी की काउंसलिंग में भरी जानी प्रस्तावित है। 25 अगस्त को सुबह दस बजे सामान्य प्रवेश परीक्षा के तय अंक प्राप्त करने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थी इस काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

एमएससी के लिए 27 तक करें आवेदन

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर व संबंधित शिक्षण संस्थान में एमएससी भौतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और बीटेक (लेटरल एंट्री) में प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थियों को 21 से 27 अगस्त तक ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। वहीं, एमबीए, एमबीए (पर्यटन) एमसीए, एमटेक (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग), एमटेक (सिविल), बीएचएमसीटी, बीएससी (एचएमसीटी), बीबीए, बीसीए और पीजी डिप्लोमा योग के लिए पात्र विद्यार्थी भी 23 से 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 अगस्त से उपरोक्त विषयों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी।

विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस पर "आत्मनिर्भर" बनाने का सीख

वर्तमान युवा पीढ़ी में सकारात्मक सोच को विकसित करना और देश—समाज के हित के लिए उनमें मानसिकता परिवर्तन लाना समय की जरूरत है। युवाओं के कौशल विकास को रोजगार सृजन की दिशा में प्रेरित करना शिक्षक की प्राथमिकता होनी चाहिए, जिससे युवा वर्ग पढ़ाई के बाद नौकरी के पीछे न भागकर, खुद दूसरों को नौकरी देने में समक्ष हो सकें। यह बात शिक्षक दिवस के अवसर पर तकनीकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव ने संगोष्ठी में बतौर मुख्यवक्ता कही। तकनीकी विवि व स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वाधान से शिक्षक दिवस पर "रोजगार इच्छुक से रोजगार सृजक की ओर" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें तकनीकी विवि के कुलसचिव अनुपम कुमार व अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो जयदेव ने कहा कि स्वावलंबी भारत अभियान का लक्ष्य 2030 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, जिसके लिए हर हाथ को काम देना और पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए देश में स्वरोजगार को विकसित करना है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना होगा, जिसके लिए सभी अपनी भूमिका निभा सकते हैं। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल देना इस दिशा में सबसे अहम योगदान होगा। इस मौके पर तकनीकी विवि के प्राध्यापक और विद्यार्थी सहित स्वदेशी जागरण मंच के राजकुमार गौत्तम व हेमराज भी उपस्थित रहे। तकनीकी विवि की संगोष्ठी में उद्यमिता सम्मान के रूप में दो लोगों को सम्मानित किया गया। जिसमें डॉ सतीश गिल और सोनू राजपूत शामिल है। उन्होंने भी अपने कारोबार के बारे में विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वहीं, तकनीकी विवि के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने—अपने विचार कविता, वक्तव्य के माध्यम से रखे। साथ ही विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों को सम्मानित किया।

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए करें पहलः प्रो शशि धीमान

हर शिक्षण संस्थान को विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए पहल करनी होगी, जिससे विद्यार्थियों को रोजगार मिल सकें। इसके लिए हर शिक्षण संस्थान को ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल को बेहतर करना होगा। साथ ही समग्र बहुविषयक शिक्षा, क्षेत्रीय भाषाओं का प्रचार के लिए सभी शिक्षण संस्थानों को आगे आना होगा। यह बात हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने आभासी माध्यम से तकनीकी विवि से संबंधित सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के निदेशकों/प्राचार्यों के साथ हुई बैठक में कही। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति—2020 का क्रियान्वयन में सभी शिक्षण संस्थानों को अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से प्रत्यायन, मूल्यांकन करने और स्व—अध्ययन रिपोर्ट के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने को तैयार रहने की हिदायत दी। इसके अलावा एकाधिक प्रवेश—निकास नीति, राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क के साथ स्नातक कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम ढांचा व क्रेडिट प्रणाली पर काम करने, संस्थागत विकास योजना बनाने, प्राध्यापकों के लिए विकास कार्यक्रम और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय—समय पर आयोजित करने की दिशा में प्रयास करने का आग्रह किया। विद्यार्थियों को जल्द अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की सुविधा देने के साथ—साथ स्वयं, दीक्षा, स्वयं प्रभा जैसे पोर्टल, आभासी प्रयोगशालाओं और अन्य ऑनलाइन संसाधनों की सुविधा देने व पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास डॉ जयदेव भी उपस्थित रहे।

तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में काउंसलिंग

शैक्षणिक परिषद् की 30वीं बैठक

5431 विद्यार्थियों को उपाधियां देने को मंजूरी

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की शैक्षणिक परिषद की 30वीं बैठक 15 सितम्बर को कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में हुई। शैक्षणिक परिषद ने तकनीकी विवि के 28 सितंबर को प्रस्तावित चौथे दीक्षांत समारोह में 422 मेधावियों को उपाधियां सहित स्वर्ण व रजत पदक देने का स्वीकृति दी। शैक्षणिक परिषद ने अप्रैल 2021 के बाद मई 2022 तक के कुल 5431 विद्यार्थियों को उपाधियां (डिग्री) देने को मंजूरी दी है, जिसमें से 422 मेधावियों को दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर उपाधियां देंगे। इसके अलावा दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक परिषद और शासक मंडल के सदस्यों के ड्रेस कोड में भी कुछ बदलाव किया है। जिसमें अगर सर्दी के मौसम में दीक्षांत समारोह होता है, तो फूल कोट अनिवार्य रहेगा, जबकि गर्मी के मौसम के लिए हॉफ जैकेट (काला रंग) प्रस्तावित किया गया। इसके अलावा बैठक में बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग सहित अन्य विषयों के पाठ्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की है। तकनीकी विवि के कुलसचिव एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्य सचिव अनुपम कुमार ने बैठक में प्रस्ताव सभी के सदस्यों के समक्ष रखे। बैठक में तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, डॉ अश्वनी कुमार राणा, डॉ सिद्धार्थ चौहान, डॉ संदीप शर्मा, डॉ मोहित, प्रो हिमांशु, डॉ प्रवीण कुमार सहित इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां, जेएनजीईसी सुंदरनगर, हाईड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला के निदेशक उपस्थित रहे। वहीं, प्रो यशवंत गुप्ता, राजुल अस्थाना और प्रो मनीष वशिष्ठ ऑनलाइन माध्यम से बैठक में मौजूद रहे।

अभियंता दिवसः भाषण प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर परिसर में एमटेक और एमसीए विभाग ने संयुक्त रूप से भारत रत्न डॉ मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर अभियंता दिवस मनाया। कार्यक्रम में तकनीकी विवि के कलुपति प्रो शशि कुमार धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि कुलसचिव अनुपम कुमार, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभियंता दिवस के अवसर पर कुलपति ने तकनीकी विवि के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के साथ अपने विचार सांझा किए। अभियंता दिवस पर प्रश्नोतरी, भाषण और पोस्टर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में एमएससी भौतिक विज्ञान की टीम सी प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में एमएससी पर्यावरण विज्ञान की साक्षी प्रथम, एमसीए की आंचल द्वितीय, एमटेक की शिवानी तृतीय स्थान पर रही। वहीं, पोस्टर लेखन में एमटेक की शिवानी ने प्रथम, एमबीए के वरूण ने द्वितीय और एमसीए की रितिका शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। कुलपति ने सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर संदपा अधिकारी धीरज कौंडल, परियोजना अधिकारी अमित ठाकुर सहित प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

पहले दिन बी फार्मेसी की 65 सीटें आवंटित

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में वीरवार को बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री) में प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसलिंग शुरू हुई। एचपीसीईटी (सामान्य प्रवेश परीक्षा) के आधार पर होने वाली काउंसलिंग के पहले दिन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उप–आरक्षित (रक्षा, स्वतंत्रता सेनानी, शारीरिक रूप से विकलांग, आईआरडीपी, खेल और पिछड़ा क्षेत्र) सहित एससी, एसटी और ओबीसी (मुख्य श्रेणी) के अभ्यर्थी आए। उपरोक्त श्रेणी की पहले दिन 65 सीटें आवंटित की गई। 16 सितंबर को सामान्य वर्ग की उप–आरक्षित, ईडब्ल्यूएस, बेटी है अनमोल सहित अन्य वर्ग और 17 सितंबर को सामान्य वर्ग (मुख्य) और अखिल भारतीय कोटे की सीटों के लिए काउंसलिंग होगी।

शासक मण्डल की 28वीं बैठक

योजना व निगरानी बोर्ड के गठन को मंजूरी

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के शासक मंडल (बीओजी) की 28वीं बैठक कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में 20 सितम्बर को हुई। बीओजी में शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति और भवन निर्माण समिति की बैठकों में लिए निर्णयों को स्वीकृति दी गई। जिसमें शैक्षणिक परिषद से पारित अगले सत्र से तकनीकी विवि में स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स व साइंसेज एजुकेशन के तहत नए स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करना और अप्रैल 2021 के बाद मई 2022 तक के कुल 5431 विद्यार्थियों को उपाधियां (डिग्री) देना शामिल है, जिसमें से 422 मेधावियों को 28 सितंबर को प्रस्तावित चौथे दीक्षांत समारोह में उपाधियां दी जाएगी। साथ ही तकनीकी विवि के योजना व निगरानी बोर्ड के गठन को भी मंजूरी दी गई। योजना व निगरानी बोर्ड तकनीकी विवि की आगामी विकास एवं अन्य कार्यों पर विस्तारपूर्वक योजना बनाने, शैक्षणिक मानकों पर निगरानी रखने के लिए अधिकृत है। बीओजी ने योजना व निगरानी बोर्ड के लिए आईआईटी रोपड़ के प्रो पीके रैना, आईआईटी मंडी के डॉ अतुल धर और एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो ललित अवस्थी को नामित किया है। तकनीकी विवि के कुलपति योजना व निगरानी बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं, जो बोर्ड में अन्य सदस्य को नामित करने के लिए अधिकृत हैं, जबकि तकनीकी विवि के कुलसचिव व वित्त अधिकारी भी बोर्ड के सदस्य होंगे। बीओजी ने शैक्षणिक परिषद द्वारा चौथे दीक्षांत समारोह के आयोजन सहित अन्य प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। तकनीक विवि के कुलसचिव एवं बीओजी के सदस्य सचिव अनुपम ठाकुर ने बैठक में शासक मंडल के समक्ष सभी प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बीओजी की बैठक में प्रदेश सरकार के वित्त विभाग के विशेष सचिव रोहित जम्बाल, तकनीकी शिक्षा विभाग के विशेष सचिव शुभरण ऑनलाइन माध्यम से, जबकि कृषि विवि पालमपुर के कुलपति प्रो एचके चौधरी, एनआईटी हमीरपुर के निदेशक प्रो हिरालाल मुरलीधर सुर्यावंशी, तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल, प्रो वीर सिंह रांगड़ा, अधिष्ठाता शैक्षक्षिक प्रो राजेंद्र गुलेरिया, अधिष्ठाता योजना व विकास प्रो जयदेव, हिमांशु मोंगा, डॉ रजनीश गौतम उपस्थित रहे।

शोध कार्यों पर मिलकर काम करेगा तकनीकी विवि व एनआईटी उत्तराखंड

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड मिलकर अनुसंधान कार्यों व परियोजनाओं पर काम करेंगे। साथ ही प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी फोकस रहेगा। जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा मिल सकें और विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास हो सके। तकनीकी विवि और एनआईटी उतराखंड के बीच वीरवार को एमओयू (समझौता ज्ञापन) हुआ। एमओयू में उद्देश्य तकनीकी विवि और एनआईटी उतराखंड के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के बीच प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मिलकर बढ़ावा देना रहेगा। तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान और एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो ललित अवस्थी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, जिससे अनुसंधान, नवाचार सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को एक–दूसरे संस्थानों के साथ साझा किया जा सके या संयुक्त रूप से किया जा सके। इससे प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को एक–दूसरे संस्थानों को शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी मिल पाएगी। वहीं, तकनीकी विवि के कुलपति ने कहा कि आने वाले समय में एनआईटी उत्तराखंड के साथ अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि कर आयोजन किया जाएगा, जिन्हें दोनों संस्थानों संयुक्त रूप से आयोजित करेंगे। इसके अलावा एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्रों को विशेष एक्सचेंज छात्रों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। विशेष विनिमय छात्रों को क्रेडिट/ऑडिट पर पाठ्यक्रम लेने के साथ–साथ अनुसंधान गतिविधियों/इंटर्नशिप/परियोजना कार्य में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। एमओयू के तहत एक–दूसरे संस्थानों में छात्रों के प्रवेश या ट्यूशन फीस की आवश्यकता नहीं होगी। पाठ्यक्रम क्रेडिट और अर्जित ग्रेड मेजबान संस्थान से ग्रेड रिपोर्ट के आधार पर गृह संस्थान द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। इस मौके पर तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो जयदेव, कुलसचिव अनुपम कुमार, एनआईटी उत्तराखंड के अधिष्ठाता शोध डॉ. हरिहरन मुथुसामी, अधिष्ठाता डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भारत की आजादी में राधानाथ सिकदर की भूमिका जानेंगे विद्यार्थी

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, विज्ञान भारती, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के संयुक्त तत्वाधान में "भारत की आजादी में महान गणितज्ञ राधानाथ सिकदर की भूमिका" विषय पर एक नवंबर को धर्मशाला में कार्यक्रम का आयोजन करेगी। इस कार्यक्रम से पूर्व प्रदेश भर के विभिन्न स्कूलों में निबंध लेखन, भाषण और प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में राजकीय बहुतकनीकी शिक्षण संस्थान बड़ू, हमीरपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान मुख्यातिथि रहे, जबकि आईएनएसए के निदेशक डॉ अरविंद रनाडे ने बतौर मुख्यवक्ता शिरकत की। कुलपति ने हिमाचल प्रदेश के माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले लोगों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी रखी। वहीं, मुख्यवक्ता ने भारत की आजादी में राधानाथ सिकदर की भूमिका और उनके जीवन के बारे में व्याख्यान दिया। डॉ अश्वनी राणा ने विज्ञान भारती सहित कार्यक्रम के बारे में ब्यौरा रखा। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में पहली नवंबर को पारितोषिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। राज्यपाल स्कूलों में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे।

बी फार्मेसी की दूसरे चरण की काउंसलिंग में 103 सीटें आवंटित

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री) में प्रवेश के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग तकनीकी विवि परिसर दड़ूही में हुई। बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री) की काउंसलिंग सामान्य प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर हुई, जिसमें 103 अभ्यर्थियों को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सीटें आवंटित की गई। जिन बी फार्मेसी शिक्षण संस्थानों को पीसीआई (फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया) की अप्रूवल नहीं मिली है, उन शिक्षण संस्थानों के लिए काउंसलिंग नहीं हुई। अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो जयदेव ने कहा कि बी फार्मेसी (डायरेक्ट एंट्री) के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग हुई। काउंसलिंग प्रक्रिया में जिन अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित हुई है, उन अभ्यर्थियों को 18 अक्तूबर सायं पांच बजे तक रिपोर्ट करनी होगी। जो अभ्यर्थी आवंटित शिक्षण संस्थान में रिपोर्ट नहीं करेगा, उसकी सीट रद्द मानी जाएगी।

समाचार पत्रों में प्रकाशित तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ

तकनीकी विवि में शुरू होगी कंप्यूटर साइंस, बीसीए, एमएससी की पढ़ाई

हर घर तिरंगा कार्यक्रम में निभाएंगे भूमिका

तकनीकी विवि ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा के उपरांत सामूहिक चित्र।

सवेरा न्यूज/कपिल हमीरपुर : हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने आजादी के अमृत महोत्सव के हृहर घर तिरंगाह्व अभियान के तहत शुक्रवार को दड़ूही परिसर से मटाहणी स्कूल तक तिरंगा रैली निकाली। इससे पूर्व तकनीकी विवि परिसर में छात्रों ने तिरंगा रंगोली बनाई। साथ ही नुक्कड़ नाटक पेश किया। तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने आजादी का अमृत महोत्सव के हर घर तिरंगा अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

हमीरपुर के दड़ूही गांव में लोगों के घरों में तिरंगा लहराते तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान, पंचायत प्रधान उषा बिरला व लोग ● जागरण

दड़ूही में घरों में लगाया तिरंगा

हमीरपुर : हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों के घरों में तिरंगे लगाए। इससे पूर्व तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान की अगुवाई में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में तकनीकी विवि के प्राध्यापकों और छात्रों सहित स्थानीय पंचायत प्रधान उषा बिरला व लोगों ने भी भाग लिया। तकनीकी विश्वविद्यालय ने गोद लिए दड़ूही गांव में लोगों के घरों में तिरंगे लगाए। कुलपति ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव में जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी विश्वविद्यालय ने भी अपना योगदान देने के लिए भूमिका निभाई है।

तकनीकी विवि में जल्द की जाएगी स्थाई शिक्षकों की नियुक्तिः प्रो. शशि धीमान

कुलपति बोले-राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए तैयार किया प्रारूप

हर घर तिरंगा कार्यक्रम में निभाएंगे भूमिका...

प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने निकाली प्रभात फेरी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत शनिवार सुबह प्रभात फेरी निकाली।

इस दौरान प्राध्यापकों और विद्यार्थि... ने तिरंगे के साथ देशभक्ति के ... गाए। तकनीकी विवि की ओर ... रविवार को दड़ूही गांव के लोगों ... अमृत महोत्सव के बारे में लोगों ... जागरूक किया जाएगा। संवाद

रोजगार सृजन करने में सक्षम बनें विद्यार्थी : धूमल

तकनीकी विवि ने मनाया 13वां स्थापना दिवस, त्रैमासिक समाचार पत्रिका विज्ञान-तकनीक प्रवाह का विमोचन

हमीरपुर: तकनीकी विवि के 13वें स्थापना दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री को सम्मानित करते वीसी व त्रैमासिक समाचार पत्रिका 'विज्ञान-तकनीक प्रवाह' का विमोचन करते हुए

पढ़ाई के बाद रोजगार सृजन करने में सक्षम हों स्टूडेंट्स : प्रो. धूमल

तकनीकी विवि हमीरपुर के 13वें स्थापना दिवस पर बोले पूर्व मुख्यमंत्री

समाज और उद्योग की जरूरत के अनुसार तैयार होंगे विद्यार्थी : प्रो. धीमान

तकनीकी विवि में योजना और निगरानी बोर्ड के गठन को मंजूरी

बीओजी की ने स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स व साइंसेज एजुकेशन को स्वीकृति

तकनीकी विवि में योजना व निगरानी बोर्ड के गठन को मिली मंजूरी

देवभूमि मिरर/हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के शासक मंडल (बीओजी) की 28वीं बैठक कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। बीओजी में शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति और भवन निर्माण समिति की बैठकों में लिए निर्णयों को स्वीकृति दी गई, जिसमें शैक्षणिक परिषद से पारित अगले सत्र से तकनीकी विवि में स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स व साइंसेज एजुकेशन के तहत नए स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करना और अप्रैल 2021 के बाद मई 2022 तक के कुल 5431 विद्यार्थियों को उपाधियां (डिग्री) देना शामिल है, जिसमें से 422 मेधावियों को 28 सितंबर को प्रस्तावित चौथे दीक्षांत समारोह में उपाधियां दी जाएगी। साथ ही तकनीकी विवि के योजना व निगरानी बोर्ड के गठन को भी मंजूरी दी गई। योजना व निगरानी बोर्ड तकनीकी विवि की आगामी विकास एवं अन्य कार्यों पर विस्तारपूर्वक योजना बनाने, शैक्षणिक मानकों पर निगरानी रखने के लिए अधिकृत है। बीओजी ने योजना व निगरानी बोर्ड के लिए आईआईटी रोपड़ के प्रो. पीके रैना, आईआईटी मंडी के डॉ अतुल धर और एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी को नामित किया है। तकनीकी विवि के कुलपति योजना व निगरानी बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं, जो बोर्ड में अन्य सदस्य को नामित करने के लिए अधिकृत हैं, जबकि तकनीकी विवि के कुलसचिव व वित्त अधिकारी भी बोर्ड के सदस्य होंगे। बीओजी ने शैक्षणिक परिषद द्वारा चौथे दीक्षांत समारोह के आयोजन सहित अन्य प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। तकनीकी विवि के कुलसचिव एवं बीओजी के सदस्य सचिव अनुपम ठाकुर ने बैठक में शासक मंडल के समक्ष सभी प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

अभियंता दिवस : भाषण प्रतियोगिता में एमएससी की साक्षी ने मारी बाजी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर परिसर में एमटेक और एमबीए विभाग ने संयुक्त रूप से भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर अभियंता दिवस मनाया।

प्रश्नोत्तरी, भाषण और पोस्टर लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। प्रश्नोत्तरी में एमएससी भौतिक विज्ञान की टीम प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में एमएससी पर्यावरण विज्ञान की साक्षी प्रथम, एमबीए की आंचल द्वितीय, एमटेक की शिवानी तृतीय रहीं। पोस्टर लेखन में एमटेक की शिवानी प्रथम, एमबीए के ... द्वितीय और एमबीए की रितिका शर्मा तृतीय रहीं। कुलपति ने विजेताओं को सम्मानित किया। संवाद

एमबीए, एमसीए, एमटेक की खाली सीटें के लिए स्पॉट काउंसिलिंग आज

एचपीटीयू का चौथा दीक्षांत समारोह 28 को

- राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे अध्यक्षता
- मेधावियों को सौंपेंगे डिग्रियां

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर का चौथा दीक्षांत समारोह 28 सितंबर को होगा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल एवं तकनीकी विवि के कुलाधिपति सचिवालय से दीक्षांत समारोह के आयोजन को स्वीकृति मिलने के बाद तकनीकी विवि प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। तकनीकी विवि के चौथे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 और मई 2021 तक के 422 मेधावियों को डिग्री व मेडल प्रदान किए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने कहा कि चौथे दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विभिन्न प्रकार की समितियों का गठन किया गया है। दीक्षांत समारोह में जिन मेधावियों को डिग्रियां दी जाएंगी, इसकी सूचना तकनीकी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। समारोह में जिन मेधावियों को डिग्री प्रदान की जाएगी, उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। 20 सितंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

समाचार पत्रों में प्रकाशित तकनीकी विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ

दीक्षांत समारोह में 422 मेधावियों को मिलेंगी उपाधियां

तकनीकी विवि : पहले दिन बी-फार्मेसी की 65 सीटें आवंटित

जेईई मेन के आधार पर बीटेक की 378 सीटें आवंटित

तकनीकी विश्वविद्यालय में बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) पहले चरण की काउंसलिंग पूरी

बीटेक (लेटरल एंट्री) के लिए आज 875 आवंटन

तकनीकी विवि में काउंसिलिंग, एमबीए व एमसीए-एमटेक की सीटें आवंटित

कल तक विद्यार्थियों को जमा करवानी होगी दाखिला फीस

तकनीकी विवि में बीटेक कंप्यूटर साइंस के लिए काउंसिलिंग शुरू

40 जेईई मेन्स व एचपीसीईटी के आधार पर भरी जाएंगी 50-50 फीसदी सीटें

तकनीकी विविः एमबीए, एमसीए में प्रवेश के लिए काउंसलिंग आज

बीटेक (डायरेक्ट एंट्री) की काउंसलिंग पहली सितंबर से

तकनीकी विवि परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केंद्र का शुभारंभ

सभी शिक्षण संस्थानों में एक साथ होगा संस्कृत-विज्ञान का पठन-पाठन

हमीरपुर तकनीकी विवि-एनआईटी उत्तराखंड में एमओयू

मेधावी छात्रों को 310 उपाधियां, 55 पदक प्रदान

वर्तमान युवा पीढ़ी की सोच पर निर्भर है देश का भविष्य : आर्लेकर

स्वर्ण पदक विजेता मेधावी

रजत पदक विजेता

युवा पीढ़ी की सोच पर देश का भविष्य

तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के बोल

310 मेधावियों को डिग्रियां, 55 को पदक से नवाजा

310 मेधावियों को स्वर्ण, रजत और उपाधि से नवाजा

सम्मान मिलना गर्व की बात

स्वजन को सफलता का श्रेय

पदक व उपाधि पाकर खुश

हमीरपुर। तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ...

राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय में मेधावी छात्रों को 310 उपाधियां, 55 पदक प्रदान किए

दैनिक सवेरा

वर्तमान युवा पीढ़ी की सोच पर निर्भर है देश का भविष्य : राज्यपाल आर्लेकर

टैक्निकल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने 310 को उपाधियां और 55 मेधावी स्टूडेंट्स को पदक किए प्रदान

राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को प्रदान किए 310 उपाधियां, 55 पदक

वर्तमान युवा पीढ़ी की सोच पर निर्भर है देश का भविष्य : आर्लेकर

तकनीकी विवि हमीरपुर के चौथे दीक्षांत समारोह की राज्यपाल ने की अध्यक्षता

पदक, डिग्रियां पाकर चहके तकनीकी विवि के मेधावी

Guv felicitates 55 students at HPTU convocation

तकनीकी विवि हमीरपुर में ओजोन दिवस पर जागरूकता अभियान

ओजोन परत को लेकर जागरूकता जरूरी

तकनीकी विवि में ओजोन दिवस पर जागरूकता अभियान

तकनीकी विवि में बी-फार्मेसी की 102 सीटें आवंटित